1. **पादप रोगों तथा कीटों के नियंत्रण के लिए जैव वैज्ञानिक विधि को क्या कहते हैं?**
   A. जैव उर्वरक B. जैव नियंत्रण
   C. रासायनिक नियंत्रण D. प्रतिरक्षा उपचार (B)
   व्याख्या : पादपों के रोगों और कीटों को नियंत्रित करने के लिए सूक्ष्मजीवों या प्राकृतिक परभक्षण का उपयोग जैव नियंत्रण कहलाता है।

2. **बीटी कपास (Bt-Cotton) किस सूक्ष्मजीव से प्राप्त जीन को पौधों में स्थानांतरित कर बनाई जाती है?**
   A. बैसिलस थुरिन्जिएन्सिस
   B. राइजोबियम
   C. ट्राइकोडर्मा
   D. एजोटोबैक्टर (A)
   व्याख्या : बैसिलस थुरिन्जिएन्सिस (Bt) के जीन को कपास के पौधों में स्थानांतरित किया गया जिससे ये कीटों के प्रति प्रतिरोधी बन गए।

3. **निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण जैव नियंत्रण का है?**
   A. कीटनाशकों का प्रयोग
   B. ड्रेगनफ्लाई द्वारा मच्छरों से छुटकारा
   C. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग
   D. फसलों का छिड़काव (B)
   व्याख्या : जैव नियंत्रण में प्राकृतिक शत्रुओं का प्रयोग किया जाता है, जैसे ड्रैगनफ्लाई मच्छरों की संख्या को कम करती है।

4. **ट्राइकोडर्मा कवक का उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाता है?**
   A. खाद उत्पादन में
   B. पादप रोगों के नियंत्रण में
   C. मछली पालन में
   D. कीटनाशक के रूप में (B)
   व्याख्या : ट्राइकोडर्मा कवक पादप रोगों के नियंत्रण के लिए उपयोग किया जाता है क्योंकि यह रोगजनक कवकों को नष्ट करता है।

5. **बैसुवायरोसिस (Baculovirus) का उपयोग किनके नियंत्रण में किया जाता है?**
   A. खरपतवार
   B. कीट एवं संधिपाद
   C. कवक
   D. परजीवी पौधे (B)
   व्याख्या : बैसुवायरोसिस एक जैविक नियंत्रण कारक है जो विशेष रूप से कीटों और संधिपादों पर हमला करके उन्हें नष्ट करता है।

6. **राइजोबियम जीवाणु का क्या कार्य है?**
   A. फॉस्फोरस का अवशोषण
   B. नाइट्रोजन स्थिरीकरण
   C. पादप रोग नियंत्रण
   D. अम्ल उत्पादन (B)
   व्याख्या : राइजोबियम जीवाणु लेग्युमिनस पौधों की जड़ों में ग्रंथियां बनाकर वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करता है।

7. **माइकोराइजा किसके बीच की सहजीविता को दर्शाता है?**
   A. जीवाणु और कवक
   B. कवक और पादपों की जड़ें
   C. शैवाल और जीवाणु
   D. पादप और वायरस (B)
   व्याख्या : माइकोराइजा कवक और उच्च पौधों की जड़ों के बीच सहजीवी संबंध होता है, जो फॉस्फोरस के अवशोषण में मदद करता है।

8. **सायनोबैक्टीरिया का मुख्य कार्य क्या है?**
   A. कार्बन डाइऑक्साइड स्थिरीकरण
   B. वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिरीकरण
   C. फॉस्फोरस अवशोषण
   D. रोग नियंत्रण (B)
   व्याख्या : सायनोबैक्टीरिया स्वपोषी सूक्ष्मजीव हैं जो वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करके मृदा की उर्वरता बढ़ाते हैं, जैसे ऐनाबैना और नॉस्टॉक।

9. **एजोटोबैक्टर किस प्रकार का जीवाणु है?**
   A. परपोषी
   B. परजीवी
   C. मुक्तजीवी नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाला
   D. सहजीवी (C)
   व्याख्या : एजोटोबैक्टर एक मुक्तजीवी जीवाणु है जो वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करके मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाता है।

10. **जैव उर्वरकों का उपयोग करने से क्या लाभ होता है?**
    A. मृदा की उर्वरता घटती है
    B. पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है
    C. मृदा की पोषक गुणवत्ता बढ़ती है
    D. पौधों की वृद्धि रुक जाती है (C)
    व्याख्या : जैव उर्वरक प्राकृतिक रूप से मृदा की उर्वरता और पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाते हैं, जिससे पौधों की वृद्धि में सुधार होता है।